

आर्य समाज का

469

SPR. ARCHIVES



आशा भारद्वाज

469

ASHA ARCHIVES

॥ ॐ नमः सर्वज्ञाय ॥ नंगाशा नकथा (क्ष) धृष्टि यमय वाधिनि आदि त्रिदिधि नत नानिक स्य ॥
 नंगाशा नसधायान्व धृष्टि धाय यमय का अ आदित्य या कि न त ध ध स्व द्धु र्ग न न या दं ध ल य
 मान ॥ ॥ न क्रि व र्ग स द वा र्ग ता र्ग र व नि ना स र्ग ॥ र्ग सा र्ग गी य मान स्य क र्म स य न र्ग उ था ॥
 ॥ स दा का र्ग व च न न र कूल य मा ल व र का र म सा स स्व द्वा का व च न स स र्ग यि अ र्ग स नी क र स न वा
 य क र न स व च न द्वा र न का य य व र्ग स र्ग ना क र्ग ना र्गि अ ध र्ग स्व ॥ ॥ ध या उ या क्ता न गु लि दि न

॥ अथ स गमसंनियस्य पूर्वनिदस्यं च दधयस्व त्वां स कायश्च सलये सा दृक् दृया रदनसुवक्र उवननं ॥
दंस धयस्व त्रीं स रुकालं थकायश्च न ता रु दंस दृ दस्व दा अ द्धी स्त न ग नं अ या धा या अ थ दंस न व
क्र ना क न अ या ध कं क द ध का यश्च व क्र ना क रु यि अ ग थिं द ध कं ध दंस न धाल व क्र ला क या व द
ता र्व द्वा य रु न सा धाल द्धि स थ न ता ग ना जा नं द्वा य म रु जिय नि स न ग थ द्धि क न ध कं धाल थ का
यश्च न व क्र ला क स्व य जि व क्र ना क य न्मा न ध कं या थ ना या दा अ थ दंस दृ द नं धाल म्म स ना रु न सा वा

॥ लका लमसा स्यं वल अयम रु अ जिय नि स न ता न म गी न द्ध धार्य म रु अ दाल म्म य ग का न यं सिद्ध य चा
न द्वा दा अ ध सि नी क्र स नं ला थ न वा न द्वा दा अ थ का य न वा य कं य द रु ना ॥ थ व न स ग म या ना क य न
स्य न र्व दा अ धि अ सा व दंस न का य न वा य क य न ध नं ग न गाल हि च म्म न का य ध कं अ न ध का य न
न वा दों क ना या अ हि द य स क ध रा या अ जि न द्ध म या दा यू थ न डि स गं अ न र द्वा सा अ ध कं उ व न ति
ना य न थ का व न रु नि अ न ध क न य न का ल म सा स्यं वा द्वा यि रु म रु अ ॥ १ ॥ तत्त य सि ग ना रु ला म्म रु

॥ यीनि ४॥ • ॥ कूलणी लमसाया क्रवा सवियनं याषयाय नमं वथ मनसारु वममिया क्रकृणि वासविना
 यनमधुविसर्पिनी क्षयासि नाकद अन्व ॥ • ॥ ध्या उया न्यान ॥ गुनिद्धि नंदनया नाऊ सखा सुमधुविसर्पि
 नी क्षयासि हि सुयूष्मांगन क्लादा वद सनयं चाद रु ना ध्यान सकृ सिद्ध क्रधून नयि वी द अया व ध्यासिया कच
 का अत्र निगदिनिया दहिया सजालमसि वक्र सिद्ध क्रध ध्यासि क्लादा अवा द नव दा व ध्यासिया कच दा अ. सु.
 वा नाच का वरा हि मधुविसर्पिनी स्तुति द्धु उरवधिया यरा वन भूम थहि सुयूष्मांग सुलिङ्ग रुन अिके

३

यापि क्रु धानयि जनयं चाद रु सरुक्र आदानयाय नूनि कृष्णांग दि नराया वा सलदा नविय मान जि
 न थ सलीन क्लृप्त क दया न व क रु सन धासा धान दा अजी नदा दा घृ नर्गुल मद्ध मां स वि दुनयं चाद नाजा स हि
 नादा अ जि थ थ क्ला नद्ध ले नरु य धाना सा थनियाना गी न नाजा या सय न रु न दा व नाजा या दि ना न क थ न निः
 चा या नाजा लं क्र न म अ ग लं द सलय मर्ग व क्र न चल दा अ द सन यी न धासा थं थं म वा दा स का सु क्र सि ग दा
 चलं न रुं अ ना थ न वा न स ना जा दां सय न विष्ठा दा अ थ कृ सि न य त्या क स रु न य म रु या अ ना जा या क्र न म व अ न

रुद्रागलना

दसत्रयशोऽथसत्राजस्यनधसक्रासिदनाऽनवत्राणीसाचधसंवृत्किनियनिवाडाअमननसिध्वक
लनासंनकुक्षिरुक्विडागांरुनाक्रिथवसत्रयंठादसिरुक्क्रनादानस्याकलंरुनाधननधमनस्ररावम
सियाक्रयासयायमनचधलना॥ ३ ॥**एकादश**यथंगीवार्यवनकिमहाभवा॥**श्रृणाधिना**विनस्यकि ५
रुद्रागलना॥ • ॥यनद्वयनमालशागलसमूदनसुवसलयंरुवधरुद्रागलना॥**श्रृणाधिना**विनस्यकि
स्यनाकरुना॥ • ॥**धयाउया**न॥मालशागलयाथउं।**रुद्रागलना**समूदनसुवसलयंरुवधरुद्रागलना॥

वशुलिरुलचसदवद्वगमालननादाचथमनुकागननयनदधद्वयनमाननधार्जिनंवियमानउया
गंधकासचालकनिक्रसनंविडनर्या।वद्विजिनविहनकास्यंरुदस्वमदसंथमनुकागननअरुनाधव
लसद्वगलमाननधयाआचद्वयोध॥०॥रुनासानजिनंथथयायधयाअद्वयादिनससमूदनचसद्वअ
वीर्यरुलगिलयूरुलधवृषरुननदिदावनिगुलमानयनद्वयनरुद्रागलनासक्रचलंरुना॥धनन०
चआहिदेनिरुनदावनिर्कनायिअधलना॥ ५ ॥**सचय**स्वनृकरुशावांसंवय॥यधसंवयणीधं

नस्य धनस्य त्रिपानि ४॥ • ॥ निधयन संवयया मये लना अनिसं वय कृक मरु च अनिसं वयया मये
 धलियूषनसूया च ऊ म्क का क सा ह न ॥ १॥ धया उया न गु निदि न वे ना कल स अरु डिया द क अरु डः
 च धन अरु न न च ना द क ना दा अ ना था च द द द्या च ना प ना च द्या यु ध मि वा सा दा अ अरु डिया न थ दा
 व ना न द्या यु द्या दा अ अरु डिया न द्या यु ध मि वा न सि क रु ना थ व ल स व ना न न स अरु डिया माल रु व ऊ म्
 क न थ च ना मि वा अरु डिया द्या यु सि दा अ वा द ख दा च ऊ म्क न जि रा ग्य या यु रा अ न थ न अरु डाल रु न

ला ल अ ना व ला रु य क न य म खा दा सं अ अ वा ल डि उ य वा स रु च न क थु मा हा न हा य रा ल यं ध लियूष स र
 दा अ वा द स व नि ध य ध कं लि गु म अ न द्या ना च न लि (यु ध व ग व दा च क ध स रु द न यं लियूष न स स ऊ म्
 क ना क रु ना थ न न अनिसं वय म न च ध ल ना ॥ ४॥ • ॥ का का य स्य क मि ना धी स रु त कं रु स्य ऊ म्क क रं ता द
 द द्य मा नू दं प लि वा न न सा रि न ॥ • ॥ गान द्या यु स का क क मि रु कं रु स ख द्या स्यं थ क ऊ म्क क थ न न य नि
 चान म रि न द अ जी सि मा ग स्यं वि स अ न धा स मा लि न य न या ॥ क ॥ • ॥ धया उया न ॥ ४॥ निदि

मं चया स्वमृगच्छि (गावल ४ या यमं) ना धास्य (गावल या दा धा द्यस्य न धा या द्वा स्व द्वा य धा च ट कं) द
या च क्खे न धा नं म (थ ला रु ल सा द्वा न या ल या क निरु ध्वा ल स्वा न द्वा न च) अ मालिनी ध द्वा न या ल मा च
क मृगिल यं थ अ ना जा स के दृ नि या दा अ लि व लि अ या य क वा दा च द्वा ल या ल या क मृ द्वा न या य या न
च ना स्व अ म वृ ला र न धा स्य ऊ मृ कं स्व ध ल दा स्य न ऊ मृ क स्य न स्व व द्या डि नं थ अ न दा या च अ या धा या
च द्या द्यस्य न म थ ला नि ध य रु ल सा मृ च ग थ या न धा स्य कं स्व च ऊ मृ क नि क्र स न ४ मालिनी मा च

क या न थ ग रु ल दा च या य क ना चू ट वि वि म वि लि द स वि यू च धा स्यं स्व द्वा स वा द व न स ॥ निरु ध्वा न
या र्थ मालिनी च ल दा स्य न क्खे ऊ मृ क च य नि वा ल या द वा द स्व दा अ य नि वा न म रि द ना स मा नी नी ॥
सि मा ग स वि अ लं रु ना थ स द्या द्य ध रु द्वा मालिनी द्वा य द्वा वि स्य च दा निरु ध्वा ल या र्थ स्वा न द्वा ल वा या
धा स वा न दा च ऊ मृ क अ का स्व अ मालिनी ध यु न या द्वा क का का ऊ स्य कृ मि ना नी धा या द्वा क य ल या रु ना थ
या य स्य अ थं य लि वा ल म रि न दा अ स र्ज न मि रु ना द ट यू धा ल ना ॥ ५ ॥ उ या य न दि द्वा र्थं न ग द्वा र्थं व लि

नयि। काकि कनसुगुधकृष्टं धर्मा निया निट ४॥ • ॥ उपायसामर्थ्यं नवलमस्वगवृद्धि कावनरसी
 षला उपाययाद नकृष्टं धर्मा मावकाद अस्व ॥ • ॥ थया उपायान ४॥ युनिद्धि नरुथया निलसका
 ष्रियुन स्ववसलयं वादकृष्टं स्वतसु धर्मा निया जयुगी अमाठिलं सनान विष्ठादासवमु अलंकाल आ ८
 हलस द्वादि ननस्यं कुलकी जायादा थसाया वक्रस्वत आ उदि नथ धाकृ मावका या कालवलध वि
 कृगलस वादकृष्टं स्य नववर्षयनिं कृष्टं मूवा गा वामलवलं साधन नयस धर्मा नजि सनान मदधीसका

नमदगदा अलर्ज च नमदू आ अथ धाकृ मावका वसका नदयक आ च धसकृ ना कुलसां यना कु
 म्म नवलं मावका मजि अरु हस्तान या दा ववा द अमाठि सलु विखालिका स्य रु या वली कनयकने
 थकृष्टं स्य या विखालि सदृष्टं कथनरुलदा अ अमाठि सहाय ला कनधलं सि खना काय या दन
 वनदा सनकृष्टं स्य हाहा जा स्य वयु अथ नरुलदा वधकृष्टं स्य मावका अलसि खालिका यि च ध
 उपायवृद्धि नकुमि रुग क धास्यं कृष्टं धर्मा मावका या नलु विखालि रुस उपाय या दा थकृष्टं धर्मा माव

श्रीकृष्णाय नमः

कुरु नाथ केशवलमन उपायसामर्थ्यलना ॥ १ ॥ यस्य वृद्धिर्वर्तमानस्य निवृद्धिमुक्तता सुखा ॥ यः
स्यसिंहवत नराजाश्रयकननीयानि ८॥ ० ॥ स्याद्वृद्धिर्द्वैतश्रवणलचक्रवृद्धिमदगदाजवनन
द्ययवृद्धिनववनवैयानाजासिंहगोसचानभाचक्रव ॥ ० ॥ ध्याउपायान ॥ शुद्धिर्नवनयानाजा
सिंहल ॥ धसुरयनमगवानाह्यादिनमयविस्यवदवानाह्यादिनशालमानकलदासनधसु
याकनायनादाधसवाकनचिकलयाश्रयाश्रयजिनययानचल्लुहसिंहनायनागाश्रयाश्रया

लनसियमनअजिलसाम्वायउपायनियायधकंसिंहहादाधसिंहनमगवानाह्यादिनवाहालयं
याह्यननाजासुधकंददधवाचनधयाहियासिर्नवनचक्रसिंहवधस्यंकदाधमगवानाह्या
यनाकनसमदलदाचक्राधिकिधकजिषदाअमग्यागदावसिंहयमिदहसधनंश्रमथाश्रनसा
ह्यननाजासिंहजिकहनेधस्यहादाधवाचनधवनांगलसथमकचखदागाथाभालमइतुठिसव
दाअक्रधवकाचधसिंहयाथचक्रियाकदाचधसिंहकाधनयंरुनकलंवाहसंक्रदाअधमग

(थसनमूथंक्रियासदाचमवसिंहलयाचमाचकयादगुधिसकवादाचथाहाचयमरुसमाकटांश
 नाथननसुयावृद्धिदकअक्रवलचक्रधाय॥ ६ ॥ मगयस्थसियूरुस्ययुद्धयस्थमिचात्मनः
 ॥ रिनेचसाकूटंयीनिस्नेहायिकदाचन॥ • ॥ कायसिकासाकूनथचक्रियानमाकस्वनागरि २०
 नवसाकूनदाचगनयीनिदयुगारिन्यचसायीनिस्वग्नवनसंस्रधार्थगनयनयाक्षक॥ • ॥
 थयाउयाथाना॥ ४ गुनिदिनदसयायानर्थचदाअत्रदयदयलंतेअंयदरुनाथभयसनागयाश्रुतिः

नादिनयनिंधथायसुत्राक्रधस्यंनवउयदयानायाचनागलंआनदुरुस्यंसूर्यनूपनचस्यदिनयनिंधदः
 यनयधूनकाचलुत्पूनिंधयाअतियुचलंरुनाथननथवाक्रधलंधनिरुअरुनाद्धवनसुधवाक्रधस
 नथमचनमनादाचकायलंहादाचद्धांयाथयानकलद्धयाअथनसदायाथंविम्वलीधयाअव
 चथसथकायवाक्रधसनदिनयनिंधयाथयानरुयाअद्धायधार्थंद्धनगानकधनागयाक्रंदयंस्याद
 चयनधार्थंचिकनयंनृयस्थालयाथंया० यनयंवादरुनाथयलसनागस्यनृयनिधिययातअ

ननासंथवाक्रधवानभालसयागरुनयंक्रियेनसुयात्ररुलधनागसनद्याडाअवाक्रधवासिकर्तुंरुना
निराधालयाथंवेलसुकायमवयाअमासवृस्यववूनलसानवनदास्यनकायदुर्गंतागतदक्षत्रयीसि॥
कस्वदाअथनासाधूयाध्वरावउवनयाश्रुतेनतयादास्वमाधस्यंतागयाकनिदयंनानावननाग ११
नधनंरुनकायनकिंक्रियेनसंरुद्वानवजिनंदसत्रयाधस्यंरात्रदाअवाक्रनस्यनथअकारयाश्रुयंता
धरात्रयंराष्ट्रिनागनाकासनंरुद्विदास्वनमद्रुजिकाययाथअश्रुयनाधनमृकुरुनाकिंक्रिआवनदायाथं

थिठिश्रुयानानकालरुनंजिनंयाथयागवयंरुद्विनलसूत्रीधनकाअवियमात्रधासंरुद्वानदाअनागस
नमिश्रयस्यमियुगलंधायाध्वकयत्रयंरुद्विदाकल्वंरुनाधननयस्यारिनरुलदाअस्वरुयीमिमंरुधा
नना॥ ५ ॥सगरुकरुसंरुकेकालनंचयुनिष्ठिनं।यदसंरुययागनवाक्रधायितसिकुन॥०॥
निधययादातंरुवसुसंनेंरुयायमाल४कालवत्रसंरुवसुकंदयदुस्व॥धलयासंविदूवीक्रकास्यं
नस्यंरुक्रनिस्यनयूरुववाक्रधलंधववज्ञसयादास्व४॥०॥धयाउयास्यान४॥गुलिद्विनदसया

७॥ धनाश्रयाकृषसंस्था कचनचनिनीअनिक्कनिथूहूथूरुस्ययादकूहुम्वसमसंलअनिनील्वनचक्रास्य
 रच॥ अथकयिनिदाअटव॥ अथककनम्यतयाकयासरुदाचनस्यवाडा॥ अथनसवक्रधीसकठिकृषि
 नरिक्काहानचलदास्यनजिनरिक्कावियमरुयाकिथरिंम्वदसाधास्यंथअवृरिदकाठिकृषीकच ११
 अरिक्काधीनजिनउयदधधलनयक्कडियूवथअयायननसाहुवमुइनेसांईगुरुयाहुनेधस्यंदा
 नदाचरिक्काधिनदादनाथूल्लरुनाधलसंनिमल्लाहाहुहुइनेसांईचययादल्लसदरुनाधननसधंवा

कनलविसमयूजाचदल्लरुनाधननसवक्रनिधनसकाठेद्वल्लरुनात्रयगुयाधनयसविद्विकम्व
 दाअरिक्काधीनक्रादायनमदाचधधनयइनरुयाचविद्वथदनस्यंकायनधयूयाअधूकनिसनअरु
 नाधननसलचनिनीककासंथाकयाल्लअनिसादासिरानयंअयानकूहुवध्वनकनिमरिनजिदि
 थ॥ ०॥ अथानसक्रुद्वयसायनूधस्यंअदाचथाककनधार्थाककचलचनिनक्रसिकसमनइससालदा
 स्यनधनयानूवासकायनयूयाअनचयदाअधकूवमुकधकदलयासथनराहानिद्वस्यध्वनदासनवि॥

नदसनयंल वनिषिक्रमयुक्तं शशाधवनस्थायकनवलिविधानमूनग आदिष नाना उयकात्रयाक
 नमजिउरुनाधआनवाकसिनगायाचकुलिरुचस्यनअनिनीलं सूर्यसकलयादाधलिथ्याकटांदादा
 छिवकृष्णसुद्धनमानाउयचालयादावनिमनालदुनदुद४ स्वधआयाकालधनदसनयात्रावआयाकद्वे १३
 दकंदुनविनायाअधकृष्णलीलं लंकाकथयनिसुखनकालरुदशनी॥ धननसंतिनयायमालकान
 वलसदुदुरुलसांधिऊजनमालधालना॥ १० ॥ वरुहिनदीनाधद्वेलेमुवलियसायधधयननरुधे

वसुधैकुनियानि॥ • ॥ वरुजनवविनाधमनचद्वलीचकनसांरुद्धसूर्यअकल्यनत्राकलवसुमागध
 धर्यमावकसाहन॥ • ॥ धयाआयाखानगुलिदिनंथासधकयवृकदस्यवाढधकयवृकयाननस
 कृष्णधर्यवसनयंवाढदुस्वधसकलवसनसमूत्रयादाअकयवृककल्यनयावत्रावमिजिसधायदयि
 अमस्वनाधकंदायाथंरुद्धसूर्यनस्वदाचकलवसुमागधमथद्ययग्यायमानलाधयाअधकलवस
 दकाजिनधयाअमावकाधस्यंरुद्धकात्रनरुधमाजायाअकयवृकहिरुहिरुचसंलवधनस्यवाढ॥

कनवसुमागध

इवय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 कृष्णाक्षं वन्दे सत्सङ्गं ध्यायेन्महाकालं
 तदा सर्वपापानि त्यज्यन्ते ॥ १२ ॥
 यथा हस्तो ज्ञातुं शक्नोति तथैव
 भक्त्या भगवन्मया पूजितम् ॥ १३ ॥
 अथ विष्णुस्त्वामहं ब्रूयामि ॥
 त्वं मे भक्त्या पूज्यमानो मया ॥
 तदा त्वं प्राप्स्यस्य स्वर्गलोकम् ॥ १४ ॥

श्रीदक्षदाता सर्वनिधदायावगनयर्वर्गकल्याणयूक्तस्वतः स्वदाता धर्मेन श्रायुनताया च ह्युमादावलि
 चकस्वसगर्जलयंधसर्वया अनुरुयनगर्थिगुवनिस्वसुधध्वयधास्यंगूफनगचयचोदाथासुमाल
 चदशनाधस्वदाचश्रायुधव न आहानीरात्रयं श्रायमयास्यं हवकसंभाचकुरुना ॥ धननयकुरुनराज
 नया नमन वगूफयायमानोस्व ॥ १२ ॥ अश्रायालवूश्रायानंथानलकडुमिच्छति ॥ सनथा निदगं ४ सनं
 किलास्याटिववानल ॥ • ॥ गवनयूमनूयान अश्रायानसुश्रायालद्विंश्रुयानंशनसांरुहंतास्यं ददवाध

लनाक (थंनयूशना) ॥ ० ॥ **थया उपायान्** न॥ गुनिर्नैद्वैतनसदास्यरुयनिस्थनसिद्धिया अदा वाह
 कागुसंरुहनाक रुनाश्चरुहनाकयनिनयाया द्य च दम ग लसिद्धं गा था अ स व न ग न अ द रु नाश्च
 लसथवनया वानलयनिस्थनखदा अथम थमं रुहनाय ललयनसनास च या च द्द क वा द न सि क ल न का स्य १७
 योदा अ रुहनाक रुनाश्चमिसन रुहनातस्या क द्य ल स रुहनासने अ उ नि (ग) ल सि न क य का द्य च ग्र य ने म न
 च वानल म् रु रु अ रुनाश्च न न अ या पान याम न च धालना ॥ ११ ॥ समस्त नष्ट कार्य यय स्य दधि न दियः
 य

कानदिननमिदृग्यां ऊलमध्वद्वानन॥ ० ॥ **न च कार्यसदस्यं** चन द्य स्यं च खं म वं दनयि वृद्धिदिन
 यमन वदधनन चनिया दन स न मा ना वानल अ था हा ऊल स य उ द या अ म नि धि र्ज न उ या य या दान
 ननल यान्वा ॥ ० ॥ **थया उपायान्** न॥ गुनिर्द्वैतनसदास्यरुयनिस्थनसिद्धिया अदा वाह
 य व स ल यं वा द स म् रु ह ना का य न रु य न स रु स व स न यं वा द रु नाश्च वानल व य न म मि व या द्य अ थ (०) सि न
 हन काल रु द र्व रु नाश्च वन स थ का व य या क ना न न य न स हा हा ला द्धि स्या मिसन जि गु रु स द ल्जि य या गु

यनार्थनकि वलाधकं हा दा धन द्यया गुं के धाया चमिसा का वयन धालं म (थ लारुल साद्धि मिश्र वानन
या नू गल जिहा कि च धना मन कन सा जिन द्धि न रु था वि य ध क हा न दा च य नू ख न ला न या म्भु रु था ना का
य वाल रु था ला का य मिश्र दा हिला रु य मु म द न दा च ग रु धुं (ष रु य अ आ च द्ध या य ला व या नू ग न न क रु २५
ना ध कं का व य वा ड न या क अ दा व रु द्धि मिश्र स (ष थ स मू द्शी ना स द्धि न रु (ग म्भु मिश्र य क रु ल म्भु अ
द्धि रु या य क य न नू ध क टा या च वा ड न न धा या जिहि ना स ग (थ अ न धा या च ध का व य न धा न द्धि सं

द रु म्भु मा न जिह्म स न स्यं ष स मू द्धि न रु धा या च वि ध्वास न दा रु य दा व स मू द्ध द थ स (थ दा व ना क रु क लं
रु ना ध व न स वा ड न धालं रु द्धि मिश्र द्धि वि ध्वास न अ या जि ग (थ मा व क न दा न ख ल यि न धा या च का व य
न धा या रु द्धि मिश्र द्धि ला व रु ना या ग रु स द या व द्धि नू ग ल न य ध क रु धा द्धि नू ग ल वि य मा ल धा या च ध
वा ड न धा या रु म्भु म्भु म्भु (थ ना रु ल सा द्धा व द्ध य म धा या द्धि का र्ज स जि न रु धा य या ऊ न द क या य रु न ल म्भु
दू म्भु च जिह्म रु क ण या नू लं गे सि मा वा स स्वा स ना था जि न वा ष स धी मा स का या व वि य जि नि न य रु धा स्य वा

कृपा वथ अवा स वा द य दा वसिमा कस का व य ल न क न य अ थ म सि मा ग या व ध न लो द्वि म र्व स नि ल वा
 दि न म य द यि अ न धा स्य वा न कू दा च नि क्क स्य रु अ ल रू ना ॥ ध न न ग अ का ऊ उ । त्य नि रु न दा स्य न म ति धि
 ऊ न उ वा य वा न माल धा न ना ॥ १४ ॥ क रू थानि च मि गानि दु र्व ल स्य व ली य सा । य ध्य धा (गा व न व ध म र्व क
 रु वि मा चि कं ॥ ० ॥ न व न रू ल सा चि कि ध द मि ग या य मा व र्व वि कि ध द न या दा ध त अ ध न या का ऊ सि
 ध द व र्व रु सि या ध न क दा अ वा द व ल स रू न या स रु दा व रु या ध रू न ॥ ० ॥ ध या उ या रू ना ॥ गु नी

कि नं स वे न न ग कू य नि स दा का न व स न यं ता द थ य स कि सि व द न आ रू न माल रु च ध न ना च कू य नि स्य
 ध आ च मि डि स म्वा य द यि व म न ना ध कि सि न कू या व मि डि स मा वा ना सि यि व आ च डि डि स्य न या थ ना
 या य माल मि डि अ दा व कि सि या ना जा या क वि न नि या य थ न मा च य क नि क्क य मा न ध य ट क कू द कं च द
 अ सि वा ना न का अ रू कि रु सि ना ऊ न डि य नि स वा ध स म्वा ल वा ल व दू कि रु स्य न कू या अ सि य व
 थ गु ल न वि क्रा य अ य स न रु य म क व धा स्य या थ ना या दा च लि क क ल रू ना ध रु सि ना ऊ म व र्व व स म्वा

अमोघावज्ञाभूतया
 लालमालवनदास्यनगाननद्वयकयायाहनकदावउयमरुसशाद्रुद्रुउयवासनचादरुनाधवन
 सद्रुद्रुक्रवनाकलसुसमनयंरुनदास्यनध्वनानकलसुद्रुमिनाउलंयाहनकदावचादस्वदावथ
 चकउचनयाकक्रयाकउचननसाययंमानलयावथअकनकद्रुदंकीवादावहस्ययाहनरुदाउ॥ १८
 द्रुकलंरुना॥थ॥नचिकिधनरुनसांठअनमिगुयायमालना॥ १९ ॥चोननगायगंदरुयीषाच
 सद्रुद्रुजिविर्नमूनथार्थीथानंयाकिरुदाशीरुऊनल॥ • ॥आसंयदरुऊलयंथनसुधुनामंअर्थयानंयथ

स्वशयस्वनवासायाद्विरुयाहयायिषावनम्राचकंमाथादअस्व॥ • ॥थयाउयाखान॥गुनिद्रिनंद
 सदक्षयादानेडवाक्रुलवंदक्षामुमसनदावधनमथनडाअक्राक्रायानश्रीरुलयंथवदक्रसकयौ
 मियाचमवगमचदाउवाषाद्रुयाद्यावहउलंरुनायनदास्वनरुलनाचलसवासयाकलंरुना
 अधुनामिसुथवासावूरालयंअचरुद्रुक्रविर्वैगोद्रुक्रंअचधवाक्रुसदाचस्वयनदवाध्व
 लसस्ववयिषाचअनायलादावपूनथालआषाजिनयनयिषावनधयावाक्रुद्रुजिनयनधयाअस्व

चविष्णवः अकिं गलशुभं शोभयतलसुवाक्रधनक्रनवायाचनूनं पिष्णवर्नं षडा अवाक्रधनवत्वं
 गोथस्वचसनाया अत्रसजववनिजात्रयानि सधस्वलजं वधस्वदा अस्वर्नं पिष्णवर्नं विसडा
 शोभवाक्रधयाकटुकागलदं दधधवनिजात्रयानि सनसाधनधयं दधधनिडवाक्रन १५
 धनासामलकास्यं किननाजा गवतलयादाचनजास्यनधवाक्रधस्वं नाजासुहिननदानं वियकलडादा
 दाशुभा॥ धननलं श्रीरुद्रयद्यलसधुनानं वीद्ययानं सांश्रुत्यथाशुयडाधनना॥ १५ ॥ नावलस

नक्रसंवायाव

वकार्जयुलमानविवस्यनि। ललमानयुमूर्धनमयूलावायधिकृत॥ ० ॥ द्वाकार्जशुनसांरुद्रानसनमन
 वगडिनसंकायकार्जनासुयिदुमूर्धननडिनयादानलूक्रध्वानक्रधयादाव॥ ० ॥ धयाउया॥
 यान॥ गुनिदिनं दधयादानीडवाक्रधस्वं दधकाकलवनयाधददअनं चवनाकलसुसिनकादायुर्
 मानवडाअश्रुपूर्ववायाअयूजायादाअस्वयरात्रयध्वनाकनसवसलयं वाडाअदिधयनिं पूजायाद
 अलं वादशुभाधयायूजाराअवदाचयुप्रध्वनकूमालसंतुक्रशुयाअथअवादानक्रस्वमूर्धिन

या खदे या अकदा च दिन युनि रया कृया रायका अविनि चले रूनाथ ॥ १० ॥ या कृति कृत्वा काया अकृत्वा ॥
 या दिन सधवा क्रन सधवा क्रन कृया रया काया अकृत्वा कृत्वा न गान कल कृत्वा सधवा क्रन दयं यन रायका अ
 त्वन कृत्वा काया अकृत्वा च धवा क्रन न सधवा लया थं यूजा याग अद कृत्वा न सधवा लया ॥ १० ॥ या खन रुम २०
 अचरुना धन धिवा क्रन न वलन वादा अलं धे क्रन सधवा न कृत्वा रुच रुना ॥ धन न कृत्वा रुच रुना सां गडि रुय
 मग च धालना ॥ ११ ॥ या वक्र ऊनि मधुका ऊल धी रयि नि नि ना वदा धा वि कया ना कृत्वा धा नि नि

धन ॥ • ॥ गल यन कृत्वा धन रया आणी वरुयं कल वरुयं मवंगाय लसं वा दा वया द गज लयं मरुं क
 लन सदन कृत्वा धन रया आणी वरुयं कल वरुयं मवंगाय लसं वा दा वया द गज लयं मरुं क
 यं वा द ध कृत्वा धन रया आणी वरुयं कल वरुयं मवंगाय लसं वा दा वया द गज लयं मरुं क
 लन सदन कृत्वा धन रया आणी वरुयं कल वरुयं मवंगाय लसं वा दा वया द गज लयं मरुं क
 सा स्यं सुधम न व धालना ॥ १८ ॥ यस्य वृद्धि सुखं न स्यं निर्वर्धुं कृत्वा धन रया आणी वरुयं कल वरुयं मवंगाय लसं वा दा वया द गज लयं मरुं क

ऊम्बूकपत्रगुप्ताय

काऊम्बूकाधिया॥ • ॥ स्याद्वृद्धिदत्तं च या सख रुयि च वृद्धि मथूल कष सुख नाय मरु ॥ किसिया या
न सद्दा या च यिहा च य मरु स्य वा द। धल न वृद्धि न यिहा च अख ॥ • ॥ थया उ या स्थान ॥ मत्रि
द्धि न वन स ऊम्बूक क कष आलाल माल रुल दा स न छिदा अ वा द किसि ख दा च द लव मा धन मार्ज दा २१
ल सद् वि स्य य न स वा द अ न ल ने च द ल रू ना थ न दि नु अ द म वा स्य कि र्द्धि किसिया या न स वा द थ या
नि च सू र्ज या ना य न मार्ज दा ल कू ल या च ४ यि हा च य म द या च य न स वा द रु ना थ व ल स ख क य न न

द दं वि का क रु ना थ स न स किसिया य न स ल ना या च को रु क वा स्य थ सि क कि धिया या न स धु वे स ल य द
न धा स्य स ल रु रु ना थ किसिया या न स वा द ऊम्बूक कष धा न जिय र्ग गु रू थ का थ य यि न ७ य स य ल मा
धा न या दा अ वा दा ल ध ना न उ स्य न दू य ल म गु रू रु न सा य ल म कू न स्य न यि हा वि का द न धा स दा
क ल रू रु ना थ ऊम्बूक न दू य नि य न म कू ष स य न सा सा ग न या ल व न वा ग न कि र्द्धि द दि ना क या ल म दि
नि वा दा अ वा या ध क हा क ना न द स्य न य न म कू न स रू रु न म द ल व वा दा अ द स्य धा ग न या ल स्य न आ ग
रु न र दि

गकं ॐ ह्रीं क्लीं वा दहस्यं अ च दं श ना धा ग न या ल ख न वा गा न क ल दा अ ना न स मा हा न व या न
 ध ल न ऊ म्ब क यि हा या अ वि स्य अ द रु ना थ ख दा च ॐ ह्रीं क्लीं वा दि द व ना क न थ ना ना ल द स य न म गु रु ध
 स्य उ य हा स या क दं श ना वृ डि या य रा च न ऊ म्ब क यि हा वि स्य च द रु ना ॥ थ र्ग न स या वृ डि द न अ क्क ण स २२
 न व र्हे ने क न यि च धा न ना ॥ २२ ॥ कृ ति य न हा ना मा र्म म सा यि स लि न गं ४ म स मां स य नि रु द्धं ४ कि न ल
 कृ सि ऊ म्ब क ॥ ० ॥ ना या य ॐ मा न य ना दा न ख स दा हा ना दा ना क ना ना क ग थ म स ल हा दि ऊ म्ब क दा

ना म इ वा वा क या न
 स्यं य न्त्र स्य द व ना थू मि सान ऊ म्ब क हा दा सा क ॥ ० ॥ थ या उ या ख्या न ॥ गु ति छि नं द ण या ध ना धे व
 नि या थ या मी व च म नि धा या वा नि यू नी नी अ नि धु ड नी थ स म्बु य न्त्र ख म्ब या न्य स का ल रु द र्त्वं रु ना थ वा
 नी यू नी नी अ नी रि द थ द स या म व जी रु न य ल्ख स्य न ना य ल य व स रु अ न जाल या क न रु स ४ थ अ
 य न्त्र स व नि स्या च का च व नि या ना स न व सं ख या न द थ मि ण न जा न मि या च अ द रु ना थ च द स मा न ना अ
 अ न न्य व न य दा च अ नि टा यि न वि स च दा च थ न सि वि ण म या रु न धा स वि ण म या य थ वा नि यू नी नी रु न

च वरुणाथ वनसमहायुत्रयीनीलधनुषमसहा दायुत्रयथिं स्यादागाथाचसनवसंज्ञावर्जितिया
 चउवा। थयावीस्वसमद्रुं माचकिं थयासत्यमद्रुमिष्ठाऊनयनमनअथासंथनऊदावयाद
 कदिकांकायाचनोदाग्वनरुगनयकं गाथाअतादगाथाअविमंअदरुनाथनसथमिष्ठायाऊन
 नतायाचसालदासंमिसअयायुत्रयमदगाथचयुत्रयस्यादागाथधुनाथमस्यस्यदयावसुकदकंम
 दलथसचयाचरुमसिस्वस्वस्वचैयोस्वस्वअंदावृकुनिष्ठमीनिनथदरुनाथनसथयाचलिदसा॥ २३

यधकंयुत्रुमध्वल्युनमध्वनीलंधमिसायाचनिदसायवयिकानऊम्वकनयनचसंनार्यचजादावगव
 रुनास्वसिष्ठागयाचलस्वसचोददाकालचन्यायादनचनयनधवनसलायायस्वमीयनंथध्वयाअथऊ
 लनगात्रदाचगाथामोष्ठाऊनकुलननधायाध्याकयनयलंऊम्वकनदाकदोऊनाथनाराचऊम्वकनारु
 णीलयनिष्ठकूलसिलविवेजिनं॥ किमावेदसिद्वद्वमासाधकिन्ननक्रसि॥ थचयुत्रयभ्यासराचरु
 पुरुअथअकलयास्वराचनोददंसदधअमागथध्वलंजिनंछयदास्वनज्ञादाथासंऊम्वकनहा

इति श्री...

कल्वंरुना धरुदा अरुव वरुन यं धमिसारि रुधी रुया उरुव रुना ॥ धरुन थ उा दोष नमसा स्यां भव ध
हालय मरु उा धरुना ॥ २० ॥ सानल्वंरु मगल्वंरु शासु सिं रु मया रु रु ॥ अरु रु धरु न धा वन म
सां धां मं वं धूं संत्रियुन ४ धा ना रु वि शानि ॥ ० ॥ निर्वन त्र ला या दा व नान शासु या हा शासु ध सिं ध या
दा जि न ध मया ड न या क दू ला धा नि रु स क्र नि व वा रु य धा स्यां स वि स्य न य न या धा क ॥ ध या उ या स्या न
गु नि डि नं स वा धा म या स वि स्य न नि व वा वीं न हि स्यां न या रु न स व न या रु य न नि व वा ध व ला या दा या ॥

२४

यु या रु य न व ला न शासु या दा सिं ध या रु य न यासु न सि रु या दा सिं रु यां रुं यै वि न दा व धा वि म्वा ना
य रु द जि नि व वा या न च यि उा धा स्यां थ म यु नि या ल या क स वि स्य न नां मा व क या ड न धा न ल यं रु रु व
ध सा या उा स वि स्यां धा न ल्वंरु म गल्वंरु धा या धा क य न या च रु द नि व वा या कल्वंरु ना ॥ धरुन धि रुं वे
थ रु य मरु उा धरुना ॥ २१ ॥ इ रु दी मा ध न या र्थ वि श्या चार्थ थ व धि र्यां धं गाल गु व धं गार्याः
न क वि रु या फ वा न रु द न ॥ ० ॥ इ रु दू ला ला ना वि श्या रुं द स नां स म्मा द ना रु रु द स नां थ रु न रु ध नि

दधनेरुमकयोग

रुनसनांसुगुणिकरुलसनांल्यस्वमयाऊम्वकनंदधुलावसूनांल्यस्वमयादयलि(थंलायू॥ • ॥
थयाउयाख्यान॥गुडिनिंथायसुअविस्वननययायऊम्वकद्वक्रययाअथववायसिधुमायनदधु
लरुयाडाधस्यवेलवियाचऊम्वकयादधुलरुनाधवनसनीस्यधुंल्यस्वमयासऊम्वकेनदिनयनी २७
यनमध्वनसुवादानथसासंगमनशालचंदरुनाधसायावध्वयमरुस्ययनमध्वलस्यनधायवियाच
ऊम्वकयाद(थावकावविअरुना॥धननदालिडनलश्रीनाननाअदनामानविशानानदावसुंयास्वम

२७

विशेषमनगना

याकधनना४॥ २१ ॥मुखनानायययसुंदिनंवयदिवादिनांदिनाययगकासुचयिष्यनिक्कम
मायथा४॥ • ॥दिनखंरुलसांमुखजानिसनंउयदसवियमनचदिनयंउयुदसविनानन॥
यिस्वमगननाकथनायूअ॥ • ॥थयाउयाख्यान॥गुडिनिंवनसुवाधनवसयंवादधसयि
ध्वमगलवसनयंवादद्वखनसथवनसुमवमगलगजनयंअस्यवाहसुअस्यवानरुधधदायाव
मृगिकस्यनयवादद्वखनसुवाधसुवादयिध्वमसुनवाधलखदाअश्रुनिदयानरुवानलसन॥रुस

वान् पादवान् वृद्धिवान् सिवान् ॥ १ ॥ गीतवान् यनिगान् गुरुकिं न कनिष्ठानि ॥ २ ॥ **द्वि**रुलंता हाथलनिथूनः
 वृद्धिवनथूलवनयामनस्वद्विचारुसतिगानरुया अद्वाय क्रमदयका धार्यं हाकलं रुनाथनवनाया अ
 ठिक्रया लयादा धार्यं वानलया क्रधलया च आरुसदिनं का च सिमा गस्य च दा अगल हवसनकर २५
 अयिस्वज सुमानदिना अस्या कलं रुना ॥ धनं नमस्विक्र उयद सति यमन अधानना ॥ २३ ॥
 मूर्खमधुनमधुमूर्खमूर्खवगिनायकान् नर्कविकधनलं वृं दं याकि च लुट्टववानध ॥ ० ॥ **म**स्विक्रम

दावाय मूर्खक्रं नायक रूलदा च द्रथिस्तो दवद मास्वदा च वानल वृद्धना कथं टाय रुना ॥ १ ॥
 थया उया गान ॥ गतिनं वनस म् न्यक वानन वसलयं चोद रुना द्वा नस धवानन यनि वना कनस
 किमल रुन दा स्यन नागि सधवनस गुठि द्वा गुलि दूध गुथिस्त च द माया कि यास्व दा अ वानलय
 निस्यं न ना क दीयक वनु मालं गुठि स कृति न च न्व धा स माहाय माद रुस्य था स थ काय उया यन
 यनू या धार्यं गानालया च गुनि द्वि न वानलय निसन धानं कलथन कलका अथ काय धा स थ स

गुथिस्तो दवद मास्वदा च वानल वृद्धना कथं टाय रुना ॥ १ ॥

निरुनसांश्रुतिदरुलसांडयदधवियमनचधनना॥ २७ ॥ यिष्ठुनंवेगुदीयात्कर्मवाक्यतुमास
 नातिनायकयसंयनवानिजास्तुलंरुवद॥ ० ॥ भवद्वादाखनथचकर्मस्वराचमसिकाऊ॥
 संअनमनचविनायकलंनययादनवाक्यकैतोस्व॥ ० ॥ अथाउयास्थान॥ गुतिष्ठिनंदसयादा २८
 निदवाक्यस्यनसिनकादाविनायकयतिमाथूयाचथचद्वहस्यंथअद्वसध्वयनयंनस्यंयूजायादा
 अवादरुनीयिलातिनारुजनयानंरुलमदयाचद्वहयादिनसध्ववाक्यकैतोमवायाअयानचद्व

अयिनायराउलंभावकनदरुनाथविनायकटांग्यादाअस्वमरुिकदाअदिनयतिंललद्धिनंका
 अस्वयदामवियाअस्ववनवियाचधवलसंनिस्यनिरुतात्रयार्थयूजायादाअविनायकस्यनद्व
 विअनांरुनाथदशनवाक्यकैलंधनिरुनाठकंवानियतिनिसनवाक्यस्यनयानचनवाथैवेन
 हंवाधेवद्वहकलध्वयाअराष्ट्रियरुसनध्वदात्रिउवाक्यस्यनथचद्वहसवादविनायकयतिमा
 थूयहयाअयानचद्वअदामरुिद्वनाअस्वउदधवियाअथवनियाहस्येवनियाधस्रियावच

नददावधवाक्रधयाविनायकयनिमाय्याचरुस्यंयानशंदनमाचकेनदरुनाधविनायकवर्काध
 नयाचसुमरुिरुस्यध्वलरुनदासंवािनयाटांविस्वादाउमाचकेनदरुनाधवंगसुवाक्रधवर्कायाच
 वाक्रधसुनविमनियादाचजिउदानरुदाचधवनियासाचकेनसावाक्रधसुंकिनहात्रिद्विजान १२
 कामवियमालकायाउमधुनययकाचमानटांलंरुनाधध्वलसंनिर्ह्यदिनयनिर्ह्यनहिधायदामेवाक्रध
 सुंविद्यमालाचध्ववानियालंदानिदरुउरुना॥धननधमरुिनकेसुराचमसियासुसुमवयाचननध

सनेमरुउधलना॥ १७ ॥अन्यथाविनिटंकार्जदेवनकुरुमन्यथा॥साचकन्यानसंयार्कयूनना॥
 साविउंवरं॥ • ॥मवयाकार्जअनिथायायविकयकाशदेवनधचकार्जअन्यथायायूननसा
 वाक्रधसुनमवअन्यथायादनसंमायधधमविदुविरुचदअंनव॥ • ॥धयाउरुनान॥अनिर्ह्य
 नंदसयागाऊसुनकयूनिअवअमदिवंअनिसर्वाकुरुदनिर्ह्यलरुधसंयुधुवेरुसुदक्रयदद
 चधयात्रयधयाचनयलरुधकनेधस्यंधदसयायुराकलधयावाक्रधसुंनकयनहासाकिकथ

ममयासासुनसयाधकलाकयाकृष्णानि यादा वरुअमिधस्वसलसुकार्थरुस्यनंवीवाहालमधुदधवा॥
क्राननृष्टानिलयात्रकृष्णसियाधस्यंरुचध्वकृष्णवादाउत्राजामनधवस्त्राचयात्रमाठिसलयल
कनकंदाचध्वमिधुलकृष्णसयाअध्वमाठिध्वमविवाहानयाचलयाचअयासर्वलकृष्णम् ३०
न्यथायादास्वकाकलंरुनारुनाऊडसनध्विस्त्राचदविलंमृतिमूलकृष्णध्वमनांकिसगलसागार्कल
गरुयंरुमृष्टरुयंरुध्वयादकसर्वमालंकालननियकाचसिउत्रयिनासंधधवाचनदिसदाहाल

यंचयकृष्णयमालध्वंरुनिकयात्ररुयचदायाअवियत्रितनकाकटांरुनाध्वनसत्राजामनना
रुंगरुगुरुनवाकृष्णस्यनधयाथंमृष्टमृष्टकालननियकाअसिउत्रयिनासंधधवाअंमृसिनच
यकंरुकाकृष्णध्वनसमवदहायात्राजालंमृष्टलननिराविक्काचननास्त्रादिननायमरुयाचरात्र
क्रानाचचआदाअरुयासनगस्यंलीहाविक्कनदास्यंमृसिनचस्यरुचसिउलयिनाचदाचकोरुकव
स्यमृसिनधकायाअसिउलयिनारुनाचस्वनदास्यनमृनिदिशंरुडनिमृमादिमवदाअ॥धसर्वध्वं

कलददा अश्रुमि आन रुद्रस्य थ च न विवा हान या य न दलं रुना थ म न दा अरु या रा न सि ऊ न यि ना स ०
 स ख सि न च य कं दं क टां रुना थ य न स थ य रा क न वा क्क व स न थ कं या थ अ न विवा हान या य रा न
 यं धि श काल वा दा च न व सि मि ल स सा या अ वा द थ व न स धि ऊ न यि ला व स द अ र व दा च न नि धु द ३२
 नी अ मा डि टां रा न य न स गा स का या च य द टां रुना थ न को अ विवा हान या य स काल ना न ला न कं धी
 य का न यि अ धि त स थ म द का था च दा अ सि ऊ ल यि ना द ला अ सान दा स रा न यि वा द व या अ वा क्क व स द

करु ना रा न न दा दा अ हल स न न धि श का न य नि स न वा या व दा च स ल दा स रा न यि वा दा अ वि
 च टां रुना वा क्क व स न व न वा द धि श व का न य नि स न उ य चा न या द न वा क्क द अ टां रुना ॥ थ ग स
 म व या न अ न स वि रु या का न थ म वि रु वि रु च रुना ॥ २१ ॥ जा न मा गो द नि ड स ४ द ह व व ध
 व ध र्णा स मू द म थ म ल न य न कि वि रु वि रु वि रु मि ४ ॥ • ॥ जा न रु च मा न न दा नि ड डि द व ध न स व
 स मू द स थ या म रु क्क ना न वा क्क टि रु य टि थ ४ ॥ • ॥ थ या उ या खा न ॥ गु नि डि न द ह या म न व ज

मा रा मु क्क म या न

यत्र यल्लस्यं निर्यं द र्थमा क ऊि द व धन सी या च समुद्र म धा समुद्र रु या च ध्या क या न क षा समुद्र नि
 स वा द रु गा ध धा न स गु नि छि नं द षा या व नि या र्ग य न द स च न या न अ य न समुद्र निल स ध क या न
 क स थ या च ॥ जा न मा लें ग द नि ड स धा या धा न य उ य न ला ट अ रु ल मा ला सा या च अ गि को रु क य म
 न थ रु आ य दा नं थ या मा क्र म द नी रु नां रु रु य स्व स या नि का सा य मा न धा स्यं थ क या न क स थि क वा स
 न या अ जा दा च रु अ रु ना व न रु ध न का अ नि हा अ दा च ध थि क वा व नि य नि नी र्ग न अ जा स्यं ग अ रु ना ॥

३२

रु नि गो वा य म ॥
 दृ ष व न स ध व धी य नी नी स्यं थ क या ल क स ध्वा च थ अ नि थ या क या न का षा नि र्थ स च य क ध क जा
 दा य दा (थ द न का अ च र्छ थ स्यं व ल वि ग न स थ रु रु गा ध ध न स व नि या स्य न स्व दा च थ ध न व म
 न जि न नि न रु या धा स्यं ज नं न ला ट य रु स वा स रु या अ रु ल स ना धा स्य रु न य म द धा स्यं ज अ ल रु ना ॥
 • ॥ २७ ॥ धु वि ना धि ल मा ल क्का म ग वा क ल न रु धा ध म णी ल क्का लि मं या थि ना नि व वि धा न ॥
 ॥ धु वि स र रा च थ र व न रु वी स व नि नं स र रा वं थ र व न मि सा ज न या क ध न य दा र्थ म द ॥ • ॥ थ या उ या

धन॥ गुनिदि नंदधया मा हा धना (धम धियि गल धाया वधीया या ज क य र त ल यि गल धाया वानि।
 या तान क र न धा वि वा हा न म ध नी ध स वि वा हा या य व व वा धी या स न ध स ऊ ग य म ल स र च क ल
 न य सा या च म व द धा या व नि य या धा व न धि क र्त्त वं धा स म ऊ न (थं क र न क र न धा क र्त्त र न र नि का स ३३
 वि वा हा या क र न ॥ ध या नी अ वा धी या म औ जा दा अ ध अ ध नी हा अ द र न अ यि ल रू या वं गु स व स
 या दा व क ल च ल दा स न ग म मि ना का स वा द ध र नि मा वा अ य द दा अ कौ क वा स गु स धि मा सा

ध्वं र न दा स न सि ना र ल स वा न न द क य र त ल यि गल धाया वानि।
 गी धी वा न का म द ग रू या अ ध वा द न अ नि ग ल या च स क र ग या क र्त्त र न ॥ ध या नि च स ल च अ
 य नि स न र न न वा य का अ ध व न दा स न र नि मा वा म द या अ नि हा अ दा च न ल यि क र न वा नि या वा
 द य स गु स मा न र ल दा स न वा न न य स य दा अ धा द र व द च य र त ल यि क र न वा नि या वा
 मा वा न द न म र व ग र्त्त क र्त्त का ध स वं द न म अ या च वा न न वा न न द द वा च वा ना चाल न वा न न य व द

रुद्राय नमः

न कृति अदा च मरु रुद्रा रं रुना ॥ वान न य स य द अ वी न य नी नी लं या न व न कृति अ द रुना ॥ थ न न
मु जन या क्षी न स्व रा अधी र्ज न री ध र्म क ल न रु द स त त्रि गु थ न म थू न धा न ना ॥ २२ ॥ मा ना
वै कं यी ना वै कं आ व जा न यि यं की ॥ अ द म स रि ति ना ना न ४ द व नी नी ग वा ध न ४ ॥ ० ॥ मा न द्वा र्क ३४
य नि धी कं म य य नि स उ वा द्वा न त्रि रु रं जि रु या उ रु म नी वि स्यं अ य न रु रं त्रा धा ल न धा स्यं रु रु न य न
या ॥ क ४ ॥ ० ॥ थ या उ या ख्या न ॥ रु नि द्दि नं द धा या ना जा लं मूल वि द्या क स न न अ रु न यं य कं य द

अ द्वा रु नि द स या या न थ स थ दा च द धा या या न थ स चो द द्वा स रु रु या स न य न या व दा अ सा धू ज न या
द रु न यं वि द्या म या य या न च न दा स्यं ध रु रु न य च नो दा च म स्या च ध कं अ न ग द्दि द व च न वि स
ना जा स्य न ध आ धा थ स रु न यं अ य द दा च दा च द धा दा दा अ न दा स्य न रु रु या स न य न अ स व दा अ
सा धू ज न या द रु न यं च न दा स्यं न ध रु रु न ना जा स्य दा च रु ना रु रु अ य र्व न थ न वि द्या न जि मि द
म य स क यं य यि न रु ना रु द्दि यं द्दि वा ल व य नि ना जा या न अ स न नि अ धा स्यं धा न दा च ना जा लं क

छ क वा सं श्रुतिकोरुकरुया अरु रुया श्रुगिरु अक्र रुतु न छिद या दा (था क्र न आ द न या दा) गा आ श्रु
 रु न धा स्य ना जा स्य न धा या गा या च रु रु न य न या मा ता वे कं पि मा च कं धा या (धा क य उ या जि य नि उ
 मा उ वा च रु य दं रु य जि रु या म पि स्य अ य नं वा छि ल न ध न न य धा सं ना जा वं क द रु ना ४ ॥ ध रु न ३०
 था य गु ध वि छि व न पु सं श्र या वि स्य व नं रु न पु न व रु य अ धा न ना ॥ ३० ॥ लु ड का म धू ना रु न डी
 च य गो विल वि शी सर्व ना धा समु ख न श्रु ड रु रु नि य छि रु ॥ • ॥ स च ल या क रु ही हा ना रु न धि म्म का य

य नि मा य न द सर्व ना स रु य श्रु ड ना धा या क रु वि च रु रु ॥ • ॥ थ या उ या न्या न ॥ गु नि छि नं द स या धा
 च ल या नि म्म का य य नि द स या द ध का य य नि वा दा च गु स श्रु रु न अ न दा स्यं द गु थ य स या च धा जा सं वा
 द सि मा स रु रु हा य वा द ध या न ल स न दि व रु न यं वा द ध हा यो न व दा अ थ स च ल न का य य नि द रु या
 अ का य क न द या अ नि म्म रु कि रुं सि मा या क वा चि कि ध द गु नि स अ दा च रु म रु ना अ क वा च न दि ना
 अ श्रु सि ध रु नि अ न न दा च पु म्म न न रु या अ वा द व व रु स च ल न ना या अ शाल दा स्य न श्रु यि आ च

ॐ
नमो
भगवते

हृयायनिमं काययनिसियन नव आ अ क वा स म रु ना अ थ का कू मिं आय न न आ च ह क कू मिं क द्या या
अ ह क ल ख न य धा स्यं व ना न क य क रं ह क कू टिं आय च क वा स रु ना अ ह क क का अ रु ना ॥ ध
न न स व नो स रु य रु य मं ड ना धा या क क ग्या नि धाय ॥ ३१ ॥ अ का किं व ग रू न र्थि यदि का ऊ ण
न न यि ॥ अ क क र्क न मा न ध वा क (ध) जि वि रं य न ॥ ० ॥ धि ट्टि का ऊ रु न स ॥ अ का न रु य म न च
ह क क र्वा धि मा न न य स ग न वा क ध र्वा य न रु म या दा द च च ॥ ० ॥ ध य उ या न ॥ गु त्रि ट्टि

३५

२८

नं द धा या वा क ध र्वा य न द धा च (ध) या द न अ न न ल ख न यि हा या च थ ल रु स क र्वा नि ह क वा द रु व दा अ रु मी
ना य न सिय अ ल ल यं द या वा स्यं ल ख स न य ध का अ गा च थ धा य ल चि स्यं य द र्वा रु ना ॥ न स धी मा क स
सि ना रु ल स मा अ दि या च थ वा क ध वि धा म न कू न रु य का अ दं दा अ ता रु ना ध सि मा ध क र्वा व स न य
वा द र्वा ध सि मा न स रु र्वा र्वा य व स न य वा द रु ना थ रु र्वा स र्वा अ क व अ मा दा अ न्ना न ल य न म मि नु द
या दा अ य रु व स रु न दा च वा क ध र्वा का र्वा न रु र्वा स र्वा दा रु दि मि नु स न दि द या द न सा अ रु मी

वाक्कथयामिस्वाजिनकमालधस्यं धलदा चका खनधना रुतसां स्वावायममायजिनमंगीनयध
 स्यं रागां विद्यां च धवाक्कलं दसुनया चरुमिगसुनं द्विययायका थं रागलियरुन धसं काखनव
 कथयाथासुडादा चमवाथसुवलतिं खदायननि रुदासायंक रुनाथक खनिचलसायिदा चयाव ३०
 थवृलीकनकथा दंदा चका धनयंक खगनसुनि स्यं नया चका कटां रुनामनया यात्मायनिय द्वा
 यनायनसाजिस्वामियां वाक्कथया वृषलिका या अंवागका चविह न धस्यं ० (थमया नसाधवाक्कला

व्यादाथं दं जिनस्य यधस्यं दानदा चका खनग्यादा अकृष्टस्य स्रकटां रुनात्ताद्विमिगसुनं धवा
 कथवागका चविह न जिजिअदानवियमालधया अर्धस्य न वाचम्यो स्याति न वाक्कथया वृषनिका
 स्यं न्वागका अविअ रुनाथकं नितक खगाल दनं द्वाक रुना वाक्कथ दननवाया वनाउनि रुना दन
 आयका चवादा धस्यं कनिगनसवा दवदा अं क खनया न रुदा अं काल रागनयं कनि काया अं नयस
 गोतना अं द्वाक धननसुनद्विका र्जदगसां र्जमदयक गलं अं नमन चधननां ४॥ ३१ ॥ यस

२३ या न॥

सिद्धसन्निभं सन्तु मा मां नीतिवत् । कृत्वा सितं नया धूरुं मातुदल तुमिद्वसि ॥ • ॥ **खानचलचन**
सन्तु न जिज्ञासवन् । दृष्टं न ऊर्क कलयाय न दाजिन सत्रगना धूरु धास्यं हा गवक्रत स्य न च ना हा दाध
क४ ॥ • ॥ **धया उया न** ॥ गुत्रिद्वि न देहाया वा क्रधत्वं दानिद रुया अ गृक स द्वां द्वा द्वा गुद ध
द्वा द्वा सदिन यनि चिना न दल अ च रुना द्वा द्वा दिन स धवा क्रध स्य न द्वा द्वा द्वा ल अ न दा स्यं द्वा न यो
न द्वा अ च वना न व स द्वा क्रध स्य द्वा अ च नान साया अ च द्वा क्रध स न ध (क्षक वि द टां रुना द्वा ४ नी

३६

हा च या अ ना ऊ दान स स रा ध ध (क्षक चो स न अ ल रुना । ध न्व द्वा अ ध द द हा या ना जा टां कृ न या न क या
द मा हा न हा स्यं न उ या न ना ऊ या न नृ न ग द द्य द्वा अ हा क टां रुना द द्य ना रु न द्वा उ न कृ न या य नृ
द्विल यं आदि न वाल कृ द्वा ध स रा रु य स ना जा स ग्वा च न्वा य न द्वा व न स ना जा या रु य न मा द्वा ल स्यं मा
निया व च न ल स द्वा द्वा कल या य ल न यं नृ दान न न्वा न च वृ च ना जा या स न्वा यं ध सा य द रुना ध व न
स ना जा न द्वा क्रध स्य न चो स न या य स नि २ ध या (क्षक य न या अ च द रुना ध ना या द्वा ध म स्य द्वा स र

अवाचनीनामदाननासासुनसिनालयाअनउतवसुसुदावरागंकयस्यजिदाखनमदयश्र
 यिषामदांशुदासुननैकुनिजिनीसयाजिनहलयोनसकयालनामकयनार्थमरुयाधयाअवि
 लीकनखलादाअधखददावनाजानमकिष्ठासीयादाअनउयानयसानवियाअसुखनकानंद ३२
 दस्तो॥धननहृशुनसांछिनाकयनयाद्वयकमालधनना॥ ३३ ॥उराजीमयिकार्यार्थनाज
 दाशनगम्यनाउरावयकीलोजागोषाक्षीमिनकोयथा॥ • ॥**ककार्ज्याश्रुर्थांथखननाजा**

अनयधनयातदवात्रिमदयकंवादियवादिनक्रंअनमनवमूकनमदयकंनिष्क्रअनापनम
 वमिर्कनचनिष्क्रमाकरुना॥ • ॥**थयाउयास्यानगुनिष्टिनंदसथायसहाधयायौकिजामिदा**
 कारवसलयवादहृदयादिनसुआहलमानमयअदधयनसुधधयासासुनिरुनवादउअ
 धमिदाअलदावथअहसमयवादखदाअहृथांनिष्क्रिवादाहृसहृगथेवादाधस्यदा
 वमिदलनधयाखसियागुयाधुनार्धथअधायमद्वसयमानधस्यसुमादरुयावधखननयाश्र

मनसुया न कन अन नूधस्यं आचया अगनया य मवया कमसुदधिकर्षुधा यारुमि अटि धुमि सुस
 एव का कया य यस्थं गलनय धसक अन नूधकं अद रुना धरुमिन धयनि अचरव दा च धर्षु
 मसुय स जो द धरुटि या क नि म्रं अया च रव द नं थ अ ० अ वि धान क द रुना धरुमिन जि स्वा च द
 स न मगा या धलं रुय नि सय ति द क अं दों वं धानं थ च था स वा दा अ थ अ धा स च य रु नं नि या ना हा
 मि न नि म्रं क य द्दि स्यं मा र क रु ना ॥ ध क न म्रं क हान य रु अ द्द अ नि म द य क वा डि य दि या र्यं थ म रु क

५०

गायत्री ॥

ना ऊ कुल ल न म न अ धान ना ॥ ३५ ॥ सा धू मा कुल गि न न वा र्ज मा ना यि नि स्य सा अ यूर्वा र्ज म सी
 वं ध्रं या य गी न स्य रु लं ॥ ० ॥ य क्री र्वं मं ग दा व त न म द स दि न य मि वे न का न म द य कं म हा ला अ
 रु न दा स्यं न अ य र्व धं नू ना नं म हा ना या रु ल न र व ना धा स्यं ऊ म्ब क न हा दा (धा क ॥ ० ॥ ध या उ या र्वा
 न ॥ गु नि द्दि नं द ह या र्य सि ना या गा ध वि स्य अ दा व द स या न थ स आ हा ल म द या अ गा ध न वि गु नि स
 अ रु ना ॥ ध व न स ऊ म्ब क न आ हा न मा ल रु न दा स न ध ग धू रु र व न यि र्धु न यं वा द रु व दा अ क न ना

वासुगवोसंकासवाद्गुवानकवादा^यअदधगाधूनयक्रयाद्रुवाननवयाअथगधरुविना।
 झादाअदधमानरुस्यमहागावगुवाननरुअरुमृकनहार्थिसुतुनयमनथूआननसियिअ
 टकंअअगदानंदिनयनिमदसुरुयाचदृक्रयादिनसुतुवाथचाननआनदायाआयासदृस्यं४२
 अनित्यध्वात्रयाथेगुनवाननवनदास्यनयाधनकदाचउरुगलकगोधनकंदरुगोधसायाअः
 रुमृकनसाधुमागुलगिननध्याध्वाकययुहादाजिनगदावचनमदस्यंमहागारुयारुलरुनल

यनंथरुगुनिनाधस्यंहादाधननहिननगदावचनमदस्यमगचदन्धमालवलकालमसाका महान
 आदिनहूनंमगचधनना॥ ३७ ॥वडमानायियायनय४यावर्ननिवरुम्यांआदासोनिइम्य
 धवक४वक४ककनकगद४॥ • ॥यायनवर्धयादवाश्यायवरुनयूगालयंयनवाइवृडिवा
 हावचअ(ककदाननलोहनकखदिनगोयनगाकरुना॥ • ॥थयाउयाखान॥गुनिदिनंलिं
 जनथायस्ययुनिदुगुनिदस्यवाद्दधयुवूनीसुनाकनमवदधायरुयाअवाद्अनकदावसन

यं वा दहनाथ दाह दहदा च यना कर्म दिन र्काथ वा दालन धमका स्य न यम रु या अ अ वा न रु व
अ त उ या य निया न धा स्यै य न्व निस वा दा अ अ निक नू धा या न न्व वा दा द य द्वा दा द्वा च व द
अ को रु क वा स्य दा स क यं मि त्त य या दा अ दा च रा द्वि व क द्वा द्वा न अ म थ अ निक नू धा न वा ४२
या अ वा दा धा रा च ध वा दालन धा नं जि स्वा या म द ना न् मि स्ती न म व नं ध य न्व निस दा च न अ न्व
म सिय नि स न धा म धा ल या क ना या अ थ न च या धा स्यै थ न द्वा य नि सि द्वा अ अ दा न म द न दा अ जि सि

व ध न न द्वा य नि स वा अ क नू धा रा या अ जि स्वा या धा रा च दा स क यं द ना स वा या अ धा नं अ
म थ ना रु न सा जि य नि स जि अ ल न्व न य उ या या दा अ दि स न्य धा या अ वा दान या क अ दा च वा
ना या दा अ वा दान न धा या द्वा य नि स वा य य न सा जि न वि धा स या य द्वा न सा जी न उ या य क ल ध य न्व नि च
ना या य म नू थ या य व नं म इ य न्व नि स जि न द्वा मे अ न य नि म च अ न् धा न ध य न्व नि स वि धे न धा स वा द
ल न धा या अ उ च न नं या स्य न धा क रु ज न य क न ल म इ जि द्वि स जि अ या उ या य नि ध य धा स्यै

^३न
 आनावपौचरुद्विवकसलजि यनिमृगकमानधया चवियकयदा अयाउवाहालनमावयूषनीस
 यलधकयदा चहुथासुनयननरुनानिरुधनधयसदादकनअरुनाधगुथासहादाराया
 कवकथरुकाअचिनकनअलंरुना दूयायुसुअसधयूषनियाकखलिदृकस्यनधनजिंदी ४३
 यकयलदि सनधयाअकखदियासुवालदंधनययादनजिअधधयाअकखनिअगुथायस
 यदावनयनदरुनाधकखनिहायाकाधकथदाखदाअआवनिजिमायसूमागधसंधनामा

वाहालनथथनस्यस्वमनमावकनधसंआअयाधनोनाविष्मसुयागयादागयानमजिद्वधमं
 यमवंधायधसंकखनिनवाहालगनधनियाअस्याकटांरुना॥धननधमयादायायनध्वसाव
 स्वमनिप्रनयंअनिलारुमनचधनना॥ ३४ ॥अस्यधर्मधुजनिरुहांकधुजध्वविनं॥यद
 नानिचयायानिदेजलनामनद्वर्ग॥ • ॥अनपूत्रयधर्मिकययधवहनलयधधिनस्य
 लवगाकयूरुयनकाययादानयकनधर्मियननसदाधवेजलअगरुनियाधर्मधया॥४॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ • ॥ ध्याय उवाच ॥ गुनिद्विर्नंथयसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम
नथमलिता अथयसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम
विष्णुसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम
मसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम
वमसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम

५५

ध्याय उवाच ॥ गुनिद्विर्नंथयसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम
नथमलिता अथयसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम
विष्णुसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम
मसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम
वमसंभ्रनगह्वरसत्रयं वा दधे दधे नु नवदा च काथरु निदुम

धनदा अरुति न ह्यनिमो कवि यत्रायल साधक शं दू नमजि अथास्यं कि ननि क्ररु क वा या यनमदि क्र
 वि तें स नि वी न ह्य य धा स्यं गु य था य खं द न या व कि न वि क्र सा क्र धा य न स ह द का भा व क रू ना ॥ थ न
 न थ च मी ल स रा अ ना क य स्यं ध मि यो नि व वि धा स या न का च भ व स्या क क्र या ध म्म थ (थं धा न ना ॥ ४ ॥ ५५
 ॥ ३१ ॥ ॥ म लो य स्य न ह्य स्यं ग्री ग स म क या उ य स्यं वि लं का ली नि ला सा नां ग दू कि ४ ॥ ० ॥ ॥
 म ल सिया सान न व दा च ऊ म्ब क नै ह्य स न ना याल ल यं कृ नि अ ल दा च न य आ सा भ उ य वा स या दा ॥

च वा दा अ नि थ ना आ सा न म य व द रु ना ॥ • ॥ थ या उ या स्या न ॥ गु त्रि दि नै वे स ऊ म्ब क न आ हान
 माल रु न दा स्यं धि स ल सि व दा स्य वा द न व दा अ ना याल स्या ग न रा ल यं कृ नि द अ ल दा च न य रा
 ल यं य क्रु शा क्रु उ य वा स ध धि मा का स ल द वा दा च नि थ धि स न व स र्व लि ग दा च रु स न कृ नि न क
 रु या अ न या च सा धा न ली ना म र्व रा न यं म य आ हान माल अ द रु ना ॥ थ न थ म ब क न न म सिया य
 दा थ स गाय न यं वा न म क च धा न ना ॥ ३७ ॥ व रु हि ४ स हि गै धू रू ४ न न स म कि मा न यि ॥ का र्व व

वनया शब्द इत्यर्थं किं विधि दधै मे स रू स न यं ज्ञान दा अ सा न या दा च न थ न डि च व सि क ल मि
 न दा व न र्व र्वा सां ची कि ध दा अ ङ्ग क व व न द न थ अ क क ना ग च अ ल च म ग न रू स या स
 न द या र्व ॥ ० ॥ ध या उ या या न ॥ गु ति हि नं द स या की थ सि क ल मि या क ना ग या स अ नि स रू नि ५०
 य न य ल र्व च न मि या दा च ध सि क ल मि या क ना ग या स अ नि स रू नि द न सा य म रू स हि क ना ग या
 अ नि क र्व नि ग रू ना मा न सा क रू रू स नि द न या ह न ध स र्व व न वाल न दा च र्व अ म र्व नि य रू स र्व
 को

नि रू य या दा अ सा च अ स्यं य ल द स व न रू क क ना ग वा दा अ ना था व ना डि स त्री दा व या च ध या च नि ड
 सा य या न गु य न र्व ना का स रू ना व ना द रू ना थ व न स ध सि क ल मि या क ना ग य रू य य न द स रू
 या न ल अ न रा न या च दि न स रू नि द न स य अ ल वा द रू स रू टि वा य का च थ न वा द य दा व सिं ग को
 मा ना स रू स अ न ग ना दा इ इ ध नी य ल सा र्व ल म धि आ दि न य या य दार्थ न का अ रू द्या न रा अ
 या न क ना सि व दा च अ ल वि स्यं र्वा ना स थ दा अ न व रू ना थ य न स रू वा च रू न आ दि न रू ना स रू ग रू

न न यल यं दा स्य ना सहा काम कना या म जी न रु का या क रु ना ध व न स थ म् सि क ल मि थान सा या व ना
 क न दा दा यु मि ट रु या व ध या यि रु य नि स नी य ध्व नं थ म जी न स व म न धा स्य आ व या द न डाल दा
 अ थ दू ला ला मा च क धा स्य न वा ना का स वा दा व ध र व न स थु मि सान न च ल दा दा थ व न स डि य न ४६
 अ न सा छि न दू या य ध क हा क रं रु ना ध र व ल न धा या थ सु र्ध न मो च क ध नं थ मि सान धा नं अ स अ न
 रु क या व अ स स्त्री या क वि ना ल से या व अ स धा र्क ण द दा अ व स मा च क ध ना रु गु मि रु न धा स्य हा न

दा अ य अ ल न अ म थ ना रु न सा जी न आ ड न न स ल न य न पू जा या य धा स्य दा या ध व न स थ व ना
 या व क न मि न धा नं डि क ना न या ध र्मा द स व म न डि न क आ कृ मि रु स्य जी स्या रि न अ मि ग्धा क न व ॥
 मा न थ मि स्य न रु न सा जी मा च क म रु अ व मा ध र्ध न्य दू य नि स्य न दा दा व रु गु मि धा स्य ल य ना
 स्य जा न अ थ च क ना न अ वि ना स ल यं वा द र्वा दा स रु स हा स कं दा या स्य न स ना या अ या स व न रु स्य हा
 द रु ना ॥ ध र न य रु रु न दा व न या न सां म र्वि क वि कि ध द थ य स्य ण क व न दा न दा व ल स ना न

कजिअ. धन॥ ५० ॥ नक काजी धि ना रु त्वा या गि वे गो य ग दू तं । य दा वि दि त सं पा क स ग दा व य वी
 थ नि ४॥ ० ॥ **काजीया अर्थ न संयति य दं थ र व न द्वा ऊ र्व द न सां । अ उं को र्वं श न दा उ । का ऊ सि ध या ॥**
 स व र व श्रा य दा स ग न ल य दू ॥ ० ॥ **॥ थ या उ या श्रान ॥ ४ गु त्रि दि नं थ य स ह च न न या स ह स ग न ४२**
 थि स थ या ण जाल स चो द वा र व दा उ श्रा का ण स वा स्य श्र अ व ल र व नी य वि स न ह ल व नं या अ थ या ।
 नि अ व न र व नी धी क्रा या स न क दा उ द न थ या अ थ णिं द यो काल या ण ण य द न नी ये श्रा अ णिं दि जि म्बा

य म मा नी धा या अ थ स ह क न रा या श्रा अ या णि जि म्बा य या न उ या य नी या न धा स्यं मि जि स ह या
 स न गा न क य ना क म ह स थ या ण कि नी व च ह्या दा उ वा य क य न रा स्यं णि जि गा यी न्य वा ण अ
 दा च ण अ ल श्रा स व दा व नी हा उ नि अ थ य ल स जि य न म मि श ह ह क दू थ स क अ दा च थ या ण रु
 न क न अ न्य थ या धा स रं या अ न अ म र व रा ध या ध कं नि क्रा स्य नं ह या ल नं या स द यं वा य कं य दा उ
 ह च ल श्रा स व स्यं लि हा अ दा च व न र व नी ह या क अ दा च या ण ह न का अ ह्नु र व न का ल ह द ल रं श नी

अथ माकसगवर्गयाव

॥ धन न उका उरु स्यं दु कार्ज सा धन यरुन सां डिचर धन ना ॥ ५२ ॥ युयु क वं वी गं व मि र ली लं ।
का वि दं ग धा । अ त्रिं ग्य व न या जो नं रू र्क नं य त्रि ना थि न ॥ ० ॥ गु नि छि नं सी न य नू र व न व ध कं
जाल आ लिं ग न या च ल स मा य कं य नू र व (था दा द अ न व ॥ १ ॥ ध या उ या या न ॥ गु नि छि नं दं ध ॥ ७०
या सा ऊ य नू र व या सी आ नं धु नि दं वि नं म नि धा या ना म य न य र व अ न रू व दू ष न स य नू र व दू म द
बाल स जाल च या अ न च ल न दा दा रा स दु नी य थ कू नं स न रू न सा अ न ग छि अ रा ग या य धू ना आ

अ उ मा न स सी नी रा (ग या य म न दा रु हं उ मा न स च दा अ सि मा क स व न रु ज या न अ न द या ध मं द
दा अ मि सा ध छि य या थ स अ न धा या च डि या ध छि म नू र न छि ष्ट द्वा (थ या य अ नू र व न स अ नू र सि मा ।
क स का म रु ज या क रु नी ध व ल स । य लू र व न थ च दू ष सी नी म द या अ रा रा न यं मा ल व यो अ रु ना य नू र अ व
न व दा च ध मि ध न य अ ल स न अ न च ध म नू कान अ व मा क स वा दा रु ना ध व ल ण य नू र व च या अ रा द्वा
सी य दू स म द या अ अ न ग था स मा न रु य धू ना द्वा य वा दा रा या अ य नू र व न धां हा न दा अ मि धा ध ध लं ।

स्वअजिअवलनयधकअयाउकंधाचरुनाथायूत्रषनधनअवलनयनाशसौनेजिनहयाअवे
 नकाधमगाकनाधकधायाअलीनद्यनैद्विनहकनाशलेसाकसनयाधमजिअथनंखाडाअ
 नयधकअयाजिनअवसिसागयाचअवनखायद्विधनलीदिसनयधसंसिसागयाअथमिधम ७२
 नाथमिधमंथअयूत्रखहादाहाद्विस्वामिधनधनाद्विवातिजिनधनकमयवमिधमअददाअवा
 नधकनाकधहादाअथममवचवादासदूनयूत्रषनअनयगयाहाअकहाअकनवादाचधक

दुकवास्यधुलीनजिनकहाअस्यहालचयद्विसिमाअहासासनहास्यथवादाचथमकाहाच
 आयअलवादाचयूत्रखनकधनकनस्यजालचविनादयाकरुनाधसायाचयूत्रखनगथिदक
 दुकयजि० नगयाअमवअंहाखधविनासयागधकहादाचलीनयचनवियकद्विचरास्वामि
 धनहायथमकावावादाजिथनकागवादाखअमयूत्रहाचयाअधलमासनधस्यअनगया
 हाअकागवादाचधवनसयूत्रषनधलजिनरुक्निधयनहायनिधुवादचदाथनयारुगुधना

रुलधायोऽधमिमान्नावाजिनोऽसि सुकलनिक्कावाद्युद्धिदुनजिनवदाश्रवसुध ॥ ययाहगुहाह
 नधायोऽधयुत्रवनराद्धिस्त्रीद्धधधायोऽधकननरगधश्रीवचद्धिअनधधसंउद्धरुगाध
 ननमिसाजायागीयागुनमिकविनयुत्रवसाजधराचरुलदाचययकनसागकंधन्यरुअनवा ॥ ७२
 धानना ॥ ४२ ॥ धगवलावनां कालाकरुं धानयवसर्वश्रनयवसमाजानमिन्विकार्यचयद्धिः
 ॥ ० ॥ सरुयावलमद्वेनसुवनमदसायाऽधकनथअश्रयद्याचधमरुवेनसधयाचधक

७५ याकद्रविसकार्जसाधनययचखरुमियाकद्रविस्यहादनद्धुधरुटिउद्धवचनयादचख ॥ ० ॥
 ७६ धयाउयाप्यानागुनीद्धिनंथायसद्धुनियेनैसैयिहाअयाचश्रहालमानचनदास्यनवेनअलध
 ७७ खदाअलिस्यहयाचधवलसधद्धुसद्धमानखदाचकाययादअचधद्धन४रागयाश्रअद्धु
 ७८ याजुधमानेधअलनंतीदहयाअश्रनविस्यअनहमसिहाश्रदाननश्रचन्वायममात्रागनय
 ७९ वादाचहाअलनद्धस्यगयायासधकदाअवाद्धुमिद्धुमौद्धेखदाचद्धनरागयाद्धुद्धुमिया

[illegible]

लङ् नयमस्वयनिटनयाहस्यधयाउयाहहृदधकंरायाचङ् नधयाहृदसस्यमइडिमद्यना
धकंरादाच।रुतिनधयाहृग्यायममायहृउलाचरुनाडियाधदानाहृस्याननाउहृथाना
टाडिनधकंरायाचङ् नः॥०॥नारुनुमाधस्वविआस्यधयाउवाहृधवैत्रसहचलनवनाहृदा
उरुतियाकङ्गाययागसयनिटकउहृनरुटियायासहृदाचवियकुरुनाथमवीस्यद्यानस
वाहृरुना।धयाउवैत्रनरुतिनम्यशलायायहृयाउहृयाद्यालसवादाचधनराहृद्विवायरु

उवाच ॥

कनयाद्यगुनसधनाहनकयानअयायिस्वल्ताधसवादाअवीचरुना॥ धननवृद्धिगअधद
धालना॥ ४३ ॥ कजीवनगंसन्निआत्मानयानलनि। सर्वनीधनयाक्रान्तिर्मिहोतुनरुनिध
कायथा॥ ० ॥ **गुनवृत्तवृत्त** अआत्मानकनयमयास्यथमयासिनंतवतवलीकवसन्नि ७४
याक्रान्तिर्मिहयानकनवनायनिगाकथंगायरुना॥ ० ॥ **धयाउवाच** ॥ गुनिद्धिनेव
नममनकयालावसनयचादरुनाधधयाअमवगूढअस्यसिद्धनअनकचलायनिमानरु॥

अउवाचनयाकटांरुनाधसचलादकांमूढाचद्धिजिथ॥ ० ॥ नमनचनअधदयाकरु।
जलयकृगनमंदचमखनधसिद्धनाकाटांसहनयगूढधस्यअसकजनमवयाआधिगम
दयकउस्यनद्धिसकदासियानकधकंजम्वकइअत्रियादाचसिद्धचसधियांकटांरुनाधयालि
चचलादकस्यधसिद्धचासन्निधूनकाअविष्वासनसिद्धवदनमग्यासंस्वर्द्धनरुअटांरु
नाधसिद्धनधमअनायनाकारुक्रयादाचमाचकरुनाधचनायनिदकंमूढाअजम्वकयाक

वडा अऊम्ब क हा दा ग (थ) जिय नि द वं आस्य न मा च का अ ह का थ ८० अय स न इय म न च आस्य न
 न ख ल य म न थ थ या ग दा च लि (थ) स म स म रि नी च ध क ग्वा दा जिय नी द्वि क च या अ द्वि इ आ नी
 या दा न संधि या दा च ग या गु त्रि आ च जिय नी स रु य म मा न का च वि ह न थू नि यि ना ल य ध क र ७७
 या अ ऊ म्ब क न ध ल ऊ नि न ख च ल या का क म र्वा ध स सिं ह या क च दा अ सि च ना ग का अ री
 द्वि स्वा मि ध न द्वि रु य न वि ह्य अ नि च न अ उ ह ह न रु व ना री ग ल य इ अ ऊ नि उ या य न द्वि न

२४
 क च ख ॥ • ॥ थ या उ या र्वा ने ॥ गु नि नं सि मा स स धा स म य स का ख य क म ह वा य उ लि चि नं जी वि
 धा या का ख न ह्ना दा री द्वि क ष नि य थ नि या ना र्वा स उ लि द कां च स्य द्वि डि द कां मा व क ल च य व
 धा स्य अ न दा या अ थ या ह्यु नि का ल या य ह्ना उ या य या ह न धा स धा ल दा अ म्ब व क न व न सिं
 डि या गू न धा या अ ध स चि नं जी वि का ख न धा या अ मा ख अ ख न क म न या दा च धा क रु न सां ह्य
 दा र्थ थ म का स्य क या उ गु य दा र्थ नि वि ह्य संधि या य धा स्य ध ना रु न व च न धा दा धा क रु न संधि या य

धायमद्र॥ धधं वचन सया दाहकृ धालसायैर्वयं क्रि जा निया ना जाम दया अथ (थे) नि धा कलनरा
नमजिन्धधसं जगलदकमिनलया च गु निष्टि नंधाया जीव न ऊंच ना जा या य धाया अ गु ३ ३ ३
नंधालगु ट ना जा या य धा अ गु निष्टि नंधाया क्र सखा ना जा या य धा अ (था) वनसमिनयम इयात्त जग
निष्टियायमरु गा ध ख न स ध यु निष्टि नंधाया क्र सखा ना जा या य धा अ (था) वनसमिनयम इयात्त जग
धस्य नीलीया दा व ना ऊ सा कालानला टका अ ना जा श्री रि स्य ख वि य न द रु ना ध व न स क निद्र

जि व क ना च न धाया क्र स न दाल आ मा उ ली ना जा या य रु ल सा जिय नी ४ श्री नम रु या श्री म धि द
रु यं के न क्र ना जा या य ॥ श्री क न स्य म ख य स्य क ल स्य च क थं रु वे न ॥ न म ताल दा स्य र्वा ल ध य थं
ग्या दा यू न म ताल दा स्य श्री मा या र्वा ल ग (थ) सा य धाया अ वि द न यं ना जाम या क रु ना ध (०) वचन
या दा अ न या धा कृ वा ग (थ) स धि या य धाया च द्रि धाया का स न उ लि मा व क र्त्त उ या य जि न के या य
धाया च श्री गी ल या अ ध च द ह र वि रं द ल या दा अ उ नि वा द गु नि सि मा या न स मि न द द अ धा ल

शास्त्रि उल्लिखितं कसन्ति चिह्नं लयनिस्तु गनस्वकायधकं धायाचिथडाजामिकास्वदकं सनवीर्ध
रेलयमादया चिह्नं लयनिस्तु गनस्वकायधकं धायाचिथडाजामिकास्वदकं सनवीर्ध
शालयवीर्धनद्वगदादागचरुनाथसकस्वधउलिवसलयं वादसिमाडाउनियाध्वसमता ५६
स्यउलिदकंमिनददलयमावकाचमाथाचिविस्तडादरुना॥धुननयव्विनाधिडाकुवामिगुय
नानग्वयलसंविष्वासकचधनना॥ ५७ ॥ धुननयव्विनाधिडाकुवामिगुय
नानग्वयलसंविष्वासकचधनना॥ ५७ ॥ धुननयव्विनाधिडाकुवामिगुय





SHAN 4-4

469

ARCHIVES